



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 467]
No. 467]

नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 30, 2006/आश्विन 8, 1928
NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 30, 2006/ASVINA 8, 1928

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 सितम्बर, 2006

सं. 18/2006-के. उ. शु. (गै. टै.)

सा.कां.नि. 607(अ).—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 37 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार एतद्वारा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली, 2002 में आगे और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:-

- (1) इन नियमों को केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (द्वितीय संशोधन) नियमावली, 2006 कहा जाये।
(2) ये सरकारी राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।
- केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली, 2002 (इसमें पश्चात् उक्त नियम के रूप में उल्लिखित) के नियम 2 में उपनियम (ई) के पश्चात् निम्नलिखित उपनियम जोड़ा जायेगा, अर्थात्:-
'(ई ए) बड़े करदाता का आशय उस व्यक्ति से है जिसके,-

(i) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) के अंतर्गत एक अथवा एक से अधिक पंजीकृत परिसर हों; अथवा

(ii) वित्त अधिनियम, 1994 (1994 का 32) के अध्याय-V के अंतर्गत एक अथवा एक से अधिक पंजीकृत परिसर हो;

और वह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अंतर्गत एक कर-निर्धारिती है जिसके पास उक्त अधिनियम, की धारा 139ए के अंतर्गत जारी स्थाई खाता संख्या (पैन) हो और इस संबंध में केन्द्र सरकार द्वारा यथा-अधिसूचित शर्तों को पूरा करता हो और प्रक्रियाओं का पालन करता हो।'

- उक्त नियमावली में, नियम 12ए के बाद निम्नलिखित नियम जोड़ा जायेगा, अर्थात्:-

'12 बी बी बड़े करदाता के लिए प्रक्रिया और सुविधाएं : इन नियमों में किसी बात के होते हुए भी किसी बड़े करदाता के लिए निम्नलिखित प्रक्रिया लागू होगी,-

- (1) बड़ा करदाता सामान्यतया मोटर स्पीरिट के रूप में ज्ञात पेट्रोल, हाई स्पीड डीजल और लाईट डीजल आयल (इसके पश्चात् मध्यवर्ती माल के रूप में उल्लिखित) को छोड़कर उत्पाद शुल्केय माल को उत्पाद शुल्को के भुगतान के बिना अंतरण चालान अथवा बीजक के कवर के अंतर्गत अपने किसी पंजीकृत परिसरों से (इसके पश्चात् प्रेषक परिसर के रूप में उल्लिखित) हटा सकता है जहाँ ऐसा माल निम्नलिखित शर्तों के अधधीन प्राप्तकर्ता परिसरों में ऐसे

अन्य उत्पाद शुल्क माल (इसके पश्चात्, विषयगत माल के रूप में उल्लिखित) के विनिर्माण अथवा उत्पादन में आगे उपयोग के लिए प्रथम अथवा द्वितीय चरण के डीलर के परिसरों को छोड़कर (इसके पश्चात् प्राप्तकर्ता परिसरों के रूप में उल्लिखित) अपने अन्य पंजीकृत परिसरों में उत्पादित, विनिर्मित अथवा भण्डारण किया जाता है,-

(क) उक्त विषयगत माल का प्राप्तकर्ता परिसरों में मध्यवर्ती माल की प्राप्ति की तारीख से छः माह के भीतर उक्त मध्यवर्ती माल का उपयोग करते हुए विनिर्माण अथवा उत्पादन किया जाता है, और उस पर उद्ग्रहणीय उत्पाद शुल्क के समुचित शुल्कों के भुगतान पर निकासी की जाती हो; अथवा

(ख) उक्त विषयगत माल का प्राप्तकर्ता परिसरों में मध्यवर्ती माल की प्राप्ति की तारीख से छः माह के भीतर उक्त मध्यवर्ती माल का उपयोग करते हुए विनिर्माण अथवा उत्पादन किया जाता हो और बंधपत्र अथवा शपथपत्र के अंतर्गत भारत से बाहर निर्यात किया जाता हो,

और यह कि इस संबंध में आयुक्त केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, बड़ा करदाता यूनिट द्वारा विहित अन्य किसी शर्तों को पूरा करता हो:

स्पष्टीकरण-1: अंतरण चालान अथवा बीजक क्रमिक रूप से संख्यांकित होंगे और बड़े करदाता की पंजीकरण संख्या, नाम, पता, विवरण, वर्गीकरण, हटाने का समय और तारीख, दुलाई का माध्यम और वाहन पंजीकरण संख्या और माल की मात्रा, परेषिती का पंजीकरण संख्या और नाम निहित होगी :

बशर्ते कि यदि विषयगत माल जो उक्त मध्यवर्ती माल का उपयोग करते हुए विनिर्माण अथवा उत्पादन किया गया हो, का उक्त छः माह की अवधि के भीतर उस पर उद्ग्रहणीय उत्पाद शुल्क के समुचित शुल्कों के भुगतान पर निकासी नहीं की जाती हो अथवा भारत से बाहर निर्यात नहीं किया जाता हो तो ऐसे मध्यवर्ती माल पर संदेय ब्याज सहित भुगतान उत्पाद शुल्क अधिनियम की धारा 11ए बी के अंतर्गत विनिर्दिष्ट ढंग और दर पर ब्याज सहित प्राप्तकर्ता परिसरों द्वारा किया जायेगा :

उदाहरण: उत्पाद शुल्क मध्यवर्ती माल पर संदेय होता है अर्थात् फैक्टरी ए द्वारा विनिर्मित इलेक्ट्रॉनिक माल जो विषयगत माल अर्थात् बड़े करदाता की फैक्टरी बी में मशीनों के विनिर्माण में उपयोग के लिए उत्पाद शुल्कों के भुगतान के बिना हटाया जाता हो। उस मामले में ऐसी मशीनों को उत्पाद शुल्कों के भुगतान के बिना हटाया जाता हो तो फैक्टरी बी ब्याज सहित ऐसे निकासित इलेक्ट्रॉनिक माल पर संदेय उत्पाद शुल्कों का भुगतान करेगी :

बशर्ते यह भी कि यदि कोई उत्पाद शुल्क ऐसे मध्यवर्ती माल पर संदेय होती है और यदि उक्त शुल्क ऐसे विषयगत माल पर संदेय नहीं होती है तो उक्त उत्पाद शुल्क अधिनियम की धारा ए बी के अंतर्गत ब्याज सहित ऐसे आद्यान माल पर संदेय कुल राशि के बराबर का भुगतान प्राप्तकर्ता परिसरों द्वारा किया जायेगा ।

उदाहरण: राष्ट्रीय आपदा आकस्मिक शुल्क मध्यवर्ती माल अर्थात् फैक्टरी ए द्वारा विनिर्मित पोलिएस्टर यार्न पर संदेय होता है। ऐसा यार्न विषयगत माल अर्थात् किसी बड़े करदाता की फैक्टरी बी में ग्रे फ़ैब्रिक्स (जिसपर ऐसी राष्ट्रीय आपदा आकस्मिक शुल्क संदत नहीं होता है) के विनिर्माण में उपयोग हेतु उत्पाद शुल्क के भुगतान के बिना हटाया जाता है तो फैक्टरी बी उ.। राष्ट्रीय आपदा आकस्मिक शुल्क के बराबर राशि का भुगतान करेगी जो अधिनियम की धारा 11 ए बी के अंतर्गत ब्याज सहित पोलिएस्टर यार्न पर संदेय होगी:

स्पष्टीकरण-2 प्रथम और द्वितीय परन्तुक के अंतर्गत संदेय शुल्क प्रेषक परिसरों से मध्यवर्ती माल के हटाने की तारीख और समय पर संदेय शुल्क होगा:

बशर्ते यह भी कि इस उपनियम की कोई भी बात लागू नहीं होगी यदि प्राप्तकर्ता परिसर भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग की निम्नलिखित अधिसूचनाओं का लाभ उठा रहा हो,-

- (i) सं. 32/99-के.उ.शु. दिनांक 8 जुलाई, 1999 { सा.का.नि. 508(अ), दिनांक 8 जुलाई, 1999 } ;
- (ii) सं.33/99-के.उ.शु. दिनांक 8 जुलाई, 1999 { सा.का.नि.509 (अ), दिनांक 8 जुलाई, 1999 } ;
- (iii) सं.39/2001-के.उ.शु., दिनांक 31 जुलाई, 2001 { सा.का.नि.565 (अ), दिनांक 31 जुलाई, 2001 } ;
- (iv) सं.56/2002-के.उ.शु. दिनांक 14 नवम्बर, 2002 { सा.का.नि.764(अ) दिनांक 14 नवम्बर, 2002 } ;
- (v) सं. 57/2002-के.उ.शु. दिनांक 14 नवम्बर, 2002(सा.का.नि.765(अ), दिनांक 14 नवम्बर, 2002);
- (vi) सं.56/2003-के.उ.शु. दिनांक 25 जून, 2003 (सा.का.नि.513(अ) दिनांक 25 जून, 2003); तथा
- (vii) सं. 71/2003-के.उ.शु.दिनांक 9 सितम्बर, 2003 (सा.का.नि.717 (अ), दिनांक 9 सितम्बर, 2003);

बशर्ते यह भी कि इस उपनियम की कोई भी बात किसी निर्यातानुमुखी यूनिट अथवा किसी मुक्त व्यापार जोन, इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर प्रौद्योगिकी पार्क अथवा साफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क में स्थित किसी यूनिट के लिए लागू नहीं होगी :

स्पष्टीकरण-3: यदि कोई बड़ा करदाता प्रथम और द्वितीय परन्तुक के संदर्भ में देय किसी राशि का भुगतान करने में विफल रहता है तो यह राशि अधिनियम, के क्रमशः धारा 11ए और 11एबी के अंतर्गत यथा प्रावधान किए गए ढंग में ब्याज सहित वसूल की जायेगी ।

(2) जहाँ उत्पाद शुल्केय माल का विनिर्माण करने वाले बड़े करदाता के किसी पंजीकृत परिसरों ने अंकीय गलती के कारण संदेय उत्पाद शुल्क से अधिक किसी उत्पाद शुल्क का केन्द्र सरकार के क्रेडिट में भुगतान कर दिया है तो उक्त बड़ा करदाता सेनवेट क्रेडिट नियमावली, 2004 के नियम 3 के उपनियम (7) के खंड (बी) के अंतर्गत विहित सीमाओं के अध्वधीन अनुवर्ती अवधि के लिए उनके देय शुल्क के विरुद्ध उनके द्वारा ऐसे अधिक का भुगतान की गई शुल्क का समायोजन करा सकता है।

बशर्ते कि ऐसा समायोजन तभी लागू होगा यदि उक्त पंजीकृत परिसरों ने ऐसी अधिक संदत शुल्क के भार को अन्य किसी व्यक्ति को नहीं दिया हो और परेषिती ने उक्त सेनवेट क्रेडिट नियमावली, 2004 के अंतर्गत ऐसे शुल्क के क्रेडिट का लाभ नहीं उठाया हो ।

(3) मुख्य आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, बड़ी करदाता यूनिट द्वारा स्वीकृति प्रदान करने की तारीख से तत्काल पहले इसके अधिनियम अथवा इसके अंतर्गत बनाये गये नियमों को प्रशासित करने वाले केन्द्रीय उत्पाद शुल्क किसी अधिकारी द्वारा जारी कोई नोटिस जो समायोजित नहीं किया गया हो, को बड़े करदाता यूनिट के केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिकारियों द्वारा जारी किया गया समझा जायेगा ।

(4) बड़े करदाता को अपने प्रत्येक पंजीकृत परिसरों के लिए इसके नियमों के अंतर्गत यथा-विहित मासिक विवरणी प्रस्तुत करनी होगी ।

(5) बड़े करदाता को मांगने पर यथा आवश्यक किसी छंटनी, सत्यापन और जाँच के प्रयोजनार्थ काम्पेक्ट डिस्क अथवा टेप जैसे इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में वित्तीय, उत्पादन, भंडार और सेनवेट क्रेडिट रिकार्ड उपलब्ध कराना होगा।

(6) बड़ा करदाता अनुवर्ती वित्त वर्ष के प्रथम दिन से बड़े करदाता बनाने के लिए कम से कम तीस दिन अग्रिम में सूचित करेगा ।

(7) इस नियमावली के प्रावधान जहाँ तक इस नियम के प्रावधानों से वे असंगत नहीं हैं, ठीक वैसे ही बड़े करदाता के मामले में लागू होंगे ।"

[फा. सं. 201/24/2006-के.उ.शु. 6]

राहुल नांगरे, अवर सचिव

टिप्पण :-मूल नियम भारत के राजपत्र में दिनांक 1 मार्च, 2002 की अधिसूचना सं. 4/2002-के.उ.शु.(गै.टै.) (सा.का.नि.143(अ) दिनांक 1 मार्च, 2002) के तहत प्रकाशित किए गए थे और अंतिम बार दिनांक 1 जून, 2006 की अधिसूचना सं.13/2006-के.उ.शु.(गै.टै.) (सा.का.नि.333(अ), दिनांक 1 जून, 2006) के तहत संशोधित किए गए थे।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th September, 2006

No. 18/2006-Central Excise (N.T.)

G.S.R. 607(E).—In exercise of the powers conferred by Section 37 of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Central Excise Rules, 2002, namely :—

1. (1) These rules may be called the Central Excise (Second Amendment) Rules, 2006.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Central Excise Rules, 2002 (hereinafter referred to as the said rules), in rule 2, after sub-rule (e), the following sub-rule shall be inserted, namely:-

‘ (ea) “large taxpayer” means a person who,-

(i) has one or more registered premises under the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944); or

(ii) has one or more registered premises under Chapter V of the Finance Act, 1994 (32 of 1994);

and is an assessee under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), who holds a Permanent Account Number issued under section 139A of the said Act, and satisfies the conditions and observes the procedures as notified by the Central Government in this regard.’

3. In the said rules, after rule 12AA, the following rule shall be inserted, namely,-

“12BB. Procedure and facilities for large taxpayer.— Notwithstanding anything contained in these rules, the following procedure shall apply to a large taxpayer,-

(1) A large taxpayer may remove excisable goods, except motor spirit, commonly known as petrol, high speed diesel and light diesel oil (hereinafter referred to as the intermediate goods), without payment of duties of excise, under the cover of a transfer challan or invoice, from any of his registered premises, (hereinafter referred to as the sender premises) where such goods are produced, manufactured or warehoused to his other registered premises, other than a premises of a first or second stage dealer (herein after referred to as the recipient premises), for further use in the manufacture or production of such other excisable goods (hereinafter referred to as the subject goods) in recipient premises subject to condition that-

(a) the subject goods are manufactured or produced using the said intermediate goods and cleared on payment of appropriate duties of excise leviable thereon within a period of six months, from the date of receipt of the intermediate goods in the recipient premises; or

(b) the subject goods are manufactured or produced using the said intermediate goods and exported out of India, under bond or letter of undertaking within a period of six months, from the date of receipt of the intermediate goods in the recipient premises,

and that any other conditions prescribed by the Commissioner of Central Excise, Large Taxpayer Unit in this regard are satisfied:

Explanation 1.— The transfer challan or invoice shall be serially numbered and shall contain the registration number, name, address of the large taxpayer, description, classification, time and date of removal, mode of transport and vehicle registration number, quantity of the goods and registration number and name of the consignee:

Provided that if the subject goods manufactured or produced using the said intermediate goods are not cleared on payment of appropriate duties of excise leviable thereon or are not exported out of India within the said period of six months, duties of excise payable on such intermediate goods shall be paid by the recipient premises with interest in the manner and rate specified under section 11AB of the Act:

Illustration.— Excise duty is payable on intermediate goods, namely, electronics goods, manufactured by factory A which are removed without payment of duties of excise for use in the manufacture of subject goods, namely, machines, in factory B of the large taxpayer. In case such

machines are not exported or are removed without payment of duties of excise, then factory B shall pay duties of excise payable on the electronic goods so cleared along with interest:

Provided further that if any duty of excise is payable on such intermediate goods and if the said duty is not payable on such subject goods, the said duty of excise as equivalent to the total amount payable on such intermediate goods along with interest under section 11 AB of the Act shall be paid by the recipient premises:

Illustration.— National Calamity Contingent duty is payable on intermediate goods namely, polyester yarn manufactured by factory A. Such yarn is removed without payment of duty of excise for use in the manufacture of subject goods, namely, grey fabrics in factory B of a large taxpayer, (on which such National Calamity Contingent duty is not payable), then factory B shall pay an amount equivalent to the National Calamity Contingent duty that would have been payable on the polyester yarn along with interest under section 11 AB of the Act:

Explanation 2.— The duty payable under the first and second proviso shall be the duty payable on the date and time of removal of the intermediate goods from the sender's premises:

Provided also that nothing contained in this sub-rule shall be applicable if the recipient premises is availing following notifications of Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), -

- (i) No. 32/99-Central Excise, dated the 8th July, 1999 [G.S.R. 508(E), dated 8th July, 1999];
- (ii) No. 33/99-Central Excise, dated the 8th July, 1999 [G.S.R. 509(E), dated 8th July, 1999];
- (iii) No. 39/2001-Central Excise, dated the 31st July, 2001 [G.S.R. 565 (E), dated the 31st July, 2001];
- (iv) No. 56/2002-Central Excise, dated the 14th November, 2002 [G.S.R. 764(E), dated the 14th November, 2002];
- (v) No. 57/2002-Central Excise, dated 14th November, 2002 [G.S.R. 765(E), dated the 14th November, 2002];
- (vi) No. 56/2003-Central Excise, dated the 25th June, 2003 [G.S.R. 513 (E), dated the 25th June, 2003]; and
- (vii) No. 71/2003-Central Excise, dated the 9th September, 2003 [G.S.R. 717 (E), dated the 9th September, 2003];

Provided also that nothing contained in this sub-rule shall be applicable to a export oriented unit or a unit located in a Electronic Hardware Technology Park or Software Technology Park

Explanation 3.— If a large taxpayer fails to pay any amount due in terms of the first and second provisos, it shall be recovered along with interest in the same manner as provided under section 11A and section 11AB respectively of the Act.

(2) Where a registered premises of a large taxpayer manufacturing excisable goods has paid to the credit of Central Government any duty of excise in excess of duty of excise payable on account of arithmetical error, the said large taxpayer may adjust the excess duty so paid by him, against his duty liability for the subsequent period subject to the limitations prescribed under clause (b) of sub-rule (7) of rule 3 of the CENVAT Credit Rules, 2004:

308067/06-2

Provided that such adjustment shall be admissible only if the said registered premises has not passed on the incidence of such excess duty so paid to any other person, and the consignee does not avail credit of such duty under the said CENVAT Credit Rules, 2004.

(3) Any notice issued but not adjudged by any of the Central Excise officer administering the Act or rules made thereunder immediately before the date of grant of acceptance by the Chief Commissioner of Central Excise, Large Taxpayer Unit, shall be deemed to have been issued by Central Excise officers of the said Unit.

(4) A large taxpayer shall submit the monthly returns, as prescribed under these rules, for each of the registered premises.

(5) A large taxpayer, on demand, may be required to make available the financial, production, stores and CENVAT credit records in electronic media, such as, compact disc or tape for the purposes of carrying out any scrutiny and verification as may be necessary.

(6) A large taxpayer may, with intimation of at least thirty days in advance, opt out to be a large taxpayer from the first day of the following financial year.

(7) Provisions of these rules, in so far as they are not inconsistent with the provisions of this rule shall *mutatis mutandis* apply in case of a large taxpayer."

[E.No. 201/24/2006-CX. 6]

RAHUL NANGARE, Under Secy.

Note:—The principal rules were published in the Gazette of India vide notification No. 4/2002-Central Excise (N.T.), dated the 1st March, 2002, [GSR 143 (E), dated the 1st March, 2002], and were last amended vide notification No. 13/2006-Central Excise (N.T.), dated the 1st June, 2006, vide [GSR 333(E), dated the 1st June, 2006].

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 सितम्बर, 2006

सं. 19/2006-के. उ. शु. (गै. टै.)

सा.का.नि. 608(अ).—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1), केन्द्रीय सरकार एतद्वारा सेनवेट क्रेडिट नियमावली, 2004 में आगे और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों को सेनवेट क्रेडिट (छठा संशोधन) नियमावली, 2006 कहा जाये।
(2) ये सरकारी राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।
2. सेनवेट क्रेडिट नियमावली, 2004 (इसके पश्चात् उक्त नियमावली के रूप में उल्लिखित) में, नियम 2 में—
(i) उपनियम (एन ए) को उपनियम (एन ए ए) के रूप में संख्याकित किया जायेगा;
(ii) ऐसे संख्याकित किए गए उपनियम (एन ए ए) के सामने निम्नलिखित उपनियम जोड़ा जायेगा, अर्थात्:—
'(एन ए) बड़े करदाता का तात्पर्य इसके केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली, 2002 में दिए गए तात्पर्य से होगा।

3. उक्त नियमावली में, नियम 12 के बाद, निम्नलिखित नियम जोड़ा जायेगा, अर्थात्:—

12ए. बड़े करदाता के लिए प्रक्रिया और सुविधाएं: इन नियमों में किसी बात के होते हुए भी किसी बड़े करदाता के लिए निम्नलिखित प्रक्रिया लागू होगी,—

- (1) कोई बड़ा करदाता प्राप्तकर्ता परिसरों में अंतिम उत्पादों के विनिर्माण अथवा उत्पादन में आगे उपयोग के लिए अपने किसी पंजीकृत परिसरों (इसके पश्चात् 'प्रेषक परिसरों' के रूप में उल्लिखित) से किसी प्रथम अथवा द्वितीय चरण के डीलर (इसके पश्चात् 'प्राप्तकर्ता परिसरों' के रूप में उल्लिखित) को छोड़कर अपने अन्य पंजीकृत परिसरों को किसी अंतरण चालान अथवा बीजक कवर के अंतर्गत इस नियमावली के नियम 3 के उपनियम (5) में

विनिर्दिष्ट राशि के भुगतान के बिना, मोटर स्पीड सामान्यता ज्ञात पेट्रोल, हाईस्पीड डीजल और लाईट डीजल आयल अथवा कारखानागत माल को छोड़कर, जिस पर सेनवेट क्रेडिट लिया गया है, आधानों को निम्नलिखित शर्तों के अधीन हटा सकता है कि,-

(क) अंतिम उत्पाद का उक्त आधानों का उपयोग करके विनिर्माण अथवा उत्पादन किया गया है और प्राप्तकर्ता परिसरों में आधानों की प्राप्ति की तारीख से छः माह की अवधि के भीतर उसपर उद्ग्रहणीय समुचित उत्पाद शुल्कों के भुगतान पर निकासी की जाती है; अथवा

(ख) अंतिम उत्पादों का उक्त आधानों का उपयोग करके विनिर्माण अथवा उत्पादन किया जाता है और प्राप्तकर्ता परिसरों में आधान माल की प्राप्ति की तारीख से छः माह की अवधि के भीतर बंधपत्र अथवा शपथपत्र के अंतर्गत भारत से बाहर निर्यात किया जाता है, और कि इस संबंध में आयुक्त, एलटीयू द्वारा विहित अन्य किसी शर्तों को पूरा करता हो;

स्पष्टीकरण I: अंतरण चालान अथवा बीजक क्रमित रूपसे संख्याकित किया जायेगा और बड़े करदाता का पंजीकरण संख्या, नाम, पता विवरण, वर्गीकरण, हटाने का समय और तारीख, परिवहन का माध्यम और वाहन पंजीकरण संख्या माल की मात्रा और परेषिती का नाम एवं पंजीकरण संख्या निहित होगी।

बशर्ते यह कि उक्त आधानों का उपयोग करते हुए विनिर्मित अथवा उत्पादित अंतिम उत्पादों को उस पर उद्ग्रहणीय समुचित उत्पाद शुल्कों के भुगतान पर निकासी नहीं की जाती है अथवा प्राप्तकर्ता परिसरों में आधान माल की प्राप्ति की तारीख से छः माह की उक्त अवधि के भीतर भारत से भारत निर्यात नहीं किया जाता है, अथवा ऐसा आधान की ऐसे प्राप्तकर्ता परिसरों से निकासी की जाती है, प्रेषक परिसरों द्वारा ऐसे आधानों के संबंध में लिए गए क्रेडिट के बराबर राशि इस नियमावली के नियम 14 के अंतर्गत विनिर्दिष्ट ढंग और दर में ब्याज सहित प्राप्तकर्ता परिसरों द्वारा संदत्त की जायेगी।

बशर्ते और यह भी कि ऐसा कारखानागत माल का छूट प्राप्त माल के विनिर्माण अनन्यतया उपयोग में लिया जाता है, या फिर ऐसा कारखानागत माल का ऐसे ही प्राप्तकर्ता परिसरों से निकास किया जाता है तो प्रेषक द्वारा ऐसे कारखानागत माल के संबंध में लिए गए क्रेडिट के बराबर राशि इस नियमावली के नियम 14 विनिर्दिष्ट ढंग और दर पर ब्याज दर सहित प्राप्तकर्ता परिसरों द्वारा संदत्त की जाएगी।

स्पष्टीकरण-II. यदि कोई बड़ा करदाता प्रथम और द्वितीय परन्तुक के संदर्भ में देय किसी राशि को संदत्त करने में विफल रहता है तो यह इस नियमावली के नियम 14 के अंतर्गत यथा-उपबंधित ढंग में ब्याज सहित वसूल की जायेगी:

बशर्ते यह भी कि इस उपनियम की कोई भी बात लागू नहीं होगी यदि प्राप्तकर्ता परिसर भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की निम्नलिखित अधिसूचनाओं का लाभ उठा रही हों,-

- (i) सं. 32/99-के.उ.शु. दिनांक 8 जुलाई, 1999 { सा.का.नि. 508(अ), दिनांक 8 जुलाई, 1999 } ;
- (ii) सं.33/99-के.उ.शु. दिनांक 8 जुलाई, 1999 { सा.का.नि.509 (अ), दिनांक 8 जुलाई, 1999 } ;
- (iii) सं.39/2001-के.उ.शु., दिनांक 31 जुलाई, 2001 { सा.का.नि.565 (अ), दिनांक 31 जुलाई, 2001 } ;
- (iv) सं.56/2002-के.उ.शु. दिनांक 14 नवम्बर, 2002 { सा.का.नि.764(अ) दिनांक 14 नवम्बर, 2002 } ;
- (v) सं. 57/2002-के.उ.शु. दिनांक 14 नवम्बर, 2002(सा.का.नि.765(अ), दिनांक 14 नवम्बर, 2002);
- (vi) सं.56/2003-के.उ.शु. दिनांक 25 जून, 2003 (सा.का.नि.513(अ) दिनांक 25 जून, 2003);
- (vii) सं. 71/2003-के.उ.शु.दिनांक 9 सितम्बर, 2003 (सा.का.नि.717 (अ), दिनांक 9 सितम्बर,2003);

बशर्ते यह भी कि इस उपनियम में लिखित कोई भी बात किसी निर्यातानुसूची यूनिट अथवा किसी मुक्त व्यापार जोन, इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर प्रौद्योगिकी पार्क अथवा सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क में स्थित किसी यूनिट के लिए लागू नहीं होगी।

(2) प्रथम प्राप्तकर्ता परिसरें उपनियम (1) के प्रथम परन्तुक के अंतर्गत संदत्त राशि का सेनवेट क्रेडिट ले सकता है मानो कि प्रेषक परिसरें जो ऐसे शुल्कों के भुगतान दर्शाने वाले दस्तावेज के आधार पर ऐसे माल को हटाया जाता है, द्वारा यह शुल्क संदत्त किया गया हो।

(3) किसी प्रेषक परिसरों द्वारा लिए गए विनिर्दिष्ट शुल्कों का सेनवेट क्रेडिट के लिए मना नहीं किया जायेगा अथवा किसी आधान अथवा कारखानागत माल के संबंध में भिन्न नहीं होगा,--

(क) इस आधार पर उपनियम (1) के अंतर्गत ऐसा माल हटाया जाता है कि उक्त आधान अथवा कारखानागत माल को इस नियमावली के नियम 3 के उपनियम (5) में विनिर्दिष्ट राशि के भुगतान के बिना हटाया जाता है, अथवा

(ख) इस आधार पर कि उक्त आधान अथवा कारखानागत माल केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली, 2002 के नियम 12 बी बी के उपनियम (1) के अंतर्गत शुल्क के भुगतान के बिना हटाये गये किसी माध्यमिक माल के विनिर्माण में प्रयोग में लिया जाता है।

स्पष्टीकरण - इस उपनियम के संदर्भ में कारखानागत माल का मतलब वह होगा जो केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 2002 के नियम 12 ख ख के उपनियम (1) के समान होगा।

(4) कोई बड़ा करदाता अपने ऐसे अन्य पंजीकृत परिसरों को कराधेय सेवा प्रदान करते हुए अपने किसी एक पंजीकृत विनिर्माण परिसरों अथवा परिसरों को उपलब्ध सेनवेट क्रेडिट का निम्नवत द्वारा अंतरण कर सकता है,-

(i) नियम 9 के अंतर्गत अनुरक्षित रिकार्ड में ऐसे अंतरण की प्रविष्टि करके;

(ii) अंतरण चालान जारी करके जिसमें पंजीकरण संख्या, क्रेडिट को अंतरण करके वाले पंजीकृत परिसरों के साथ-साथ ऐसे क्रेडिट को प्राप्त करने वाले परिसरों का नाम एवं पता अंतर्गत क्रेडिट की राशि और खंड (i) में यथा उल्लिखित ऐसी प्रविष्टि का ब्यौरा; और

ऐसे प्राप्तकर्ता परिसर खण्ड (ii) में यथा उल्लिखित ऐसे अंतरण चालान के आधार पर सेनवेट क्रेडिट ले सकते हैं।

बशर्ते कि सेनवेट क्रेडिट का ऐसा अंतरण नियम 3 के उपनियम (7) के खंड (ख) के अंतर्गत विहित सीमाओं के अधधीन होगा।

बशर्ते यह भी कि इस उपनियम की कोई भी बात लागू नहीं होगी यदि प्राप्तकर्ता परिसर भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की निम्नलिखित अधिसूचनाओं का लाभ उठा रही हों,-

- (i) सं. 32/99-के.उ.शु. दिनांक 8 जुलाई, 1999 { सा.का.नि. 508(अ), दिनांक 8 जुलाई, 1999 } ;
- (ii) सं.33/99-के.उ.शु. दिनांक 8 जुलाई, 1999 { सा.का.नि.509 (अ), दिनांक 8 जुलाई, 1999 } ;
- (iii) सं.39/2001-के.उ.शु., दिनांक 31 जुलाई, 2001 { सा.का.नि.565 (अ), दिनांक 31 जुलाई, 2001 } ;
- (iv) सं.56/2002-के.उ.शु. दिनांक 14 नवम्बर, 2002 { सा.का.नि.764(अ) दिनांक 14 नवम्बर, 2002 } ;
- (v) सं. 57/2002-के.उ.शु. दिनांक 14 नवम्बर, 2002(सा.का.नि.765(अ), दिनांक 14 नवम्बर, 2002);
- (vi) सं.56/2003-के.उ.शु. दिनांक 25 जून, 2003 (सा.का.नि.513(अ) दिनांक 25 जून, 2003);
- (vii) सं. 71/2003-के.उ.शु.दिनांक 9 सितम्बर, 2003 (सा.का.नि.717 (अ), दिनांक 9 सितम्बर, 2003);

(5) बड़े करदाता प्रत्येक पंजीकृत परिसरों के लिए इस नियमावली के अंतर्गत यथा विहित मासिक विवरणी दायर करेंगे।

(6) कोई जारी नोटिस लेकिन मुख्य आयुक्त केन्द्रीय उत्पाद शुल्क बड़ी करदाता यूनिट द्वारा स्वीकृति प्रदान करने की तारीख के तुरंत पहले इसके अंतर्गत बनाये गये अधिनियम अथवा नियमों को प्रशासित करने वाले केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के किसी अधिकारी के द्वारा न्यायनिर्णीत नहीं किया गया हो तो बड़ी उक्त यूनिट के केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिकारियों के द्वारा जारी किया गया समझा जायेगा।

(7) इस नियमावली के प्रावधान जहाँ तक इस नियम के प्रावधानों से असंगत नहीं हैं तो बड़े करदाता के मामले में ठीक वैसे ही लागू होगा।

[फा. सं. 201/24/2006-के.उ.शु. 6]

राहुल नांगरे, अवर सचिव

टिप्पण :- मूल नियम दिनांक 10 सितम्बर, 2004 की अधिसूचना सं. 23/2004-के.उ.शु. (गै.टै.) (सा.का.नि.600(अ), दिनांक 10 सितम्बर, 2004) के तहत अधिसूचित किए गए थे और अंतिम बार दिनांक 14 मार्च, 2006 की अधिसूचना सं. 10/2006-के.उ.शु. (गै.टै.) (सा.का.नि. (अ), दिनांक 25 अप्रैल, 2006) के तहत संशोधित किए गए थे।

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th September, 2006

No. 19/2006-Central Excise (N.T.)

G.S.R. 608(E).—In exercise of the powers conferred by Section 37 of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the CENVAT Credit Rules, 2004, namely :—

1. (1) These rules may be called the CENVAT Credit (Sixth Amendment) Rules, 2006.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the CENVAT Credit Rules, 2004 (hereinafter referred to as the said rules), in rule 2,-

- (i) sub-rule (na) shall be renumbered as sub-rule(naa);
- (ii) before sub-rule (naa) as so numbered, the following sub-rule shall be inserted, namely:-

“(na) “large taxpayer” shall have the meaning assigned to it in the Central Excise Rules, 2002;”.

3. In the said rules, after rule 12, the following rule shall be inserted, namely:—

“12A. Procedure and facilities for large taxpayer.- Notwithstanding anything contained in these rules, the following procedure shall apply to a large taxpayer,-

(1) A large taxpayer may remove inputs, except motor spirit, commonly known as petrol, high speed diesel and light diesel oil or capital goods, as such, on which CENVAT credit has been taken, without payment of an amount specified in sub-rule (5) of rule 3 of these rules, under the cover of a transfer challan or invoice, from any of his registered premises (hereinafter referred to as the sender premises) to his other registered premises, other than a premises of a first or second stage dealer (hereinafter referred to as the recipient premises), for further use in the manufacture or production of final products in recipient premises subject to condition that—

(a) the final products are manufactured or produced using the said inputs and cleared on payment of appropriate duties of excise leviable thereon within a period of six months, from the date of receipt of the inputs in the recipient premises; or

(b) the final products are manufactured or produced using the said inputs and exported out of India, under bond or letter of undertaking within a period of six months, from the date of receipt of the input goods in the recipient premises,

and that any other conditions prescribed by the Commissioner of Central Excise, Large Taxpayer Unit in this regard are satisfied:

Explanation 1.— The transfer challan or invoice shall be serially numbered and shall contain the registration number, name, address of the large taxpayer, description, classification, time and date of removal, mode of transport and vehicle registration number, quantity of the goods and registration number and name of the consignee:

Provided that if the final products manufactured or produced using the said inputs are not cleared on payment of appropriate duties of excise leviable thereon or are not exported out of India within the said period of six months from the date of receipt of the input goods in the

3080 GT/CB-3

recipient premises, or such inputs are cleared as such from the recipient premises, an amount equal to the credit taken in respect of such inputs by the sender premises shall be paid by the recipient premises with interest in the manner and rate specified under rule 14 of these rules:

Provided further that if such capital goods are used exclusively in the manufacture of exempted goods, or such capital goods are cleared as such from the recipient premises, an amount equal to the credit taken in respect of such capital goods by the sender premises shall be paid by the recipient premises with interest in the manner and rate specified under rule 14 of these rules:

Explanation 2. — If a large taxpayer fails to pay any amount due in terms of the first and second proviso, it shall be recovered along with interest in the manner as provided under rule 14 of these rules:

Provided also that nothing contained in this sub-rule shall be applicable if the recipient premises is availing following notifications of Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), -

- (i) No. 32/99-Central Excise, dated the 8th July, 1999 [G.S.R. 508(E), dated 8th July, 1999];
- (ii) No. 33/99-Central Excise, dated the 8th July, 1999 [G.S.R. 509(E), dated 8th July, 1999];
- (iii) No. 39/2001-Central Excise, dated the 31st July, 2001 [G.S.R. 565 (E), dated the 31st July, 2001];
- (iv) No. 56/2002-Central Excise, dated the 14th November, 2002 [G.S.R. 764(E), dated the 14th November, 2002];
- (v) No. 57/2002-Central Excise, dated 14th November, 2002 [G.S.R.. 765(E), dated the 14th November, 2002];
- (vi) No. 56/2003-Central Excise, dated the 25th June, 2003 [G.S.R. 513 (E), dated the 25th June, 2003]; and
- (vii) No. 71/2003-Central Excise, dated the 9th September, 2003 [G.S.R. 717 (E), dated the 9th September, 2003];

Provided also that nothing contained in this sub-rule shall be applicable to a export oriented unit or a unit located in a Electronic Hardware Technology Park or Software Technology Park.

(2) The first recipient premises may take CENVAT credit of the amount paid under first proviso to sub-rule(1) as if it was a duty paid by the sender premises who removed such goods on the basis of a document showing payment of such duties.

(3) CENVAT credit of the specified duties taken by a sender premises shall not be denied or varied in respect of any inputs or capital goods,—

- (a) removed as such under sub-rule (1) on the ground that the said inputs or the capital goods have been removed without payment of an amount specified in sub-rule (5) of rule 3 of these rules; or
- (b) on the ground that the said inputs or capital goods have been used in the manufacture of any intermediate goods removed without payment of duty under sub-rule (1) of rule 12BB of Central Excise Rules, 2002.

Explanation : For the purpose of this sub-rule 'intermediate goods' shall have the same meaning assigned to it in sub-rule (1) of rule 12BB of the Central Excise Rules, 2002.

(4) A large taxpayer may transfer, CENVAT credit available with one of his registered manufacturing premises or premises providing taxable service to his other such registered premises by,-

- (i) making an entry for such transfer in the record maintained under rule 9;
- (ii) issuing a transfer challan containing registration number, name and address of the registered premises transferring the credit as well as receiving such credit, the amount of credit transferred and the particulars of such entry as mentioned in clause (i),

and such recipient premises can take CENVAT credit on the basis of such transfer challan as mentioned in clause (ii):

Provided that such transfer or utilisation of CENVAT credit shall be subject to the limitations prescribed under clause (b) of sub-rule (7) of rule 3.

Provided further that nothing contained in this sub-rule shall be applicable if the registered manufacturing premises is availing following notifications of Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), -

- (i) No. 32/99-Central Excise, dated the 8th July, 1999 [G.S.R. 508(E), dated 8th July, 1999];
- (ii) No. 33/99-Central Excise, dated the 8th July, 1999 [G.S.R. 509(E), dated 8th July, 1999];
- (iii) No. 39/2001-Central Excise, dated the 31st July, 2001 [G.S.R. 565 (E), dated the 31st July, 2001];
- (iv) No. 56/2002-Central Excise, dated the 14th November, 2002 [G.S.R. 764(E), dated the 14th November, 2002];
- (v) No. 57/2002-Central Excise, dated 14th November, 2002 [G.S.R.. 765(E), dated the 14th November, 2002];
- (vi) No. 56/2003-Central Excise, dated the 25th June, 2003 [G.S.R. 513 (E), dated the 25th June, 2003]; and
- (vii) No. 71/2003-Central Excise, dated the 9th September, 2003 [G.S.R. 717 (E), dated the 9th September, 2003];

(5) A large taxpayer shall submit a monthly return, as prescribed under these rules, for each of the registered premises.

(6) Any notice issued but not adjudged by any of the Central Excise officer administering the Act or rules made thereunder immediately before the date of grant of acceptance by the Chief Commissioner of Central Excise, Large Taxpayer Unit, shall be deemed to have been issued by Central Excise officers of the said Unit

(7) Provisions of these rules, in so far as they are not inconsistent with the provisions of this rule shall *mutatis mutandis* apply in case of a large taxpayer.”

[F. No. 201/24/2006-CX. 6]

RAHUL NANGARE, Under Secy.

Note:—The principal rules were notified vide notification No. 23/2004-Central Excise (N.T.), dated the 10th September, 2004, [G.S.R.600 (E), dated the 10th September, 2004] and were last amended vide notification No. 10/2006-Central Excise (N.T.), dated the 25th April, 2006.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 सितम्बर, 2006

सं. 20/2006-के.उ.शु. (गै.टै.)

सा.का.मि. 609(अ).—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली, 2002 के नियम 2 के उपनियम (ई ए) एवं सेवा शुल्क नियम 1994 के उपनियम (सी.सी.सी.सी.) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार एतद्वारा बड़े करदाता के रूप में पात्र होने के लिए व्यक्ति द्वारा पूरा की जाने वाली शर्तों और अनुसरण की जाने वाली प्रक्रियाओं को अधिसूचित करती है।

2. **शर्तें:** ऐसा व्यक्ति, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 के अध्याय 24 के अंतर्गत आने वाले माल अथवा अध्याय 21 के अंतर्गत आने वाले पान मसाला के विनिर्माण अथवा उत्पादन से अंयत्र माल लगा किसी व्यक्ति ने वित्त वर्ष 2004-05 के दौरान अथवा पैरा 3(i) के अंतर्गत आवेदन करने के अनुवर्ती वर्ष के वित्त वर्ष के दौरान निम्नवत: संदत्त किया हो-

- (i) नकद अथवा चालू खाते के माध्यम से पाँच सौ लाख रुपये से अधिक उत्पाद शुल्क; अथवा
- (ii) नकद अथवा चालू खाते के माध्यम से पाँच सौ लाख रुपये से अधिक सेवाकर; अथवा
- (iii) आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अंतर्गत दस सौ लाख रुपये से अधिक अग्रिम कर

और इस समय मुख्य आयकर आयुक्त-I, बंगलौर (टुमकुर के राजस्व जिले को छोड़कर) और मुख्य आयकर आयुक्त-II, बंगलौर- (कोलार जिले को छोड़कर) के अंतर्गत आयकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत आयकर अथवा निगम कर के लिए कर निर्धारण किया गया हो।

(3) **प्रक्रिया:**

(i) कोई बड़ा करदाता जो उपर्युक्त शर्तों को पूरा करता है, अनुबंधित प्रपत्र में सभी तरह से पूर्ण आवेदन पत्र में उस शहर के मुख्य आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क बड़ी करदाता यूनिट के समक्ष दायर कर सकता है जहाँ उक्त बड़ा करदाता इस समय आयकर अथवा निगमकर के लिए कर निर्धारित किया गया हो जिसमें उसकी एक बड़े करदाता होने की इच्छा दर्शायी गई हो।

(ii) बड़े करदाता के रूप में संचालित होने के इच्छुक को केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) के अंतर्गत पहले से पंजीकृत प्रत्येक परिसरों के ब्यौरे प्रस्तुत करने होंगे जिसमें प्रथम एवं द्वितीय चरण के डीलरों के परिसरों और आधान सेवा वितरक के परिसरों सहित वित्त अधिनियम, 1994 के अध्याय-V के अंतर्गत पंजीकृत प्रत्येक परिसर शामिल हो।

(iii) मुख्य आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क बड़ी करदाता यूनिट आवेदन पत्र के समुचित सत्यापन के बाद लिखित में स्वीकृति प्रदान करेगा।

(iv) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1994 अथवा वित्त अधिनियम, 1994 के अध्याय-V के अंतर्गत मौजूदा पंजीकरण जारी रहेगा। तथापि किसी फैक्टरी अथवा सेवा प्रदाता आधान क्रेडिट वितरक अथवा प्रथम अथवा द्वितीय चरण के डीलर जो बड़े करदाता बनने के बाद पंजीकृत किया जाना है, के मामले में ऐसे नये पंजीकरण के लिए मुख्य आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, बड़ी करदाता यूनिट के समक्ष आवेदन करेगा।

अनुबंध

बड़ी करदाता यूनिट में भागीदार कंपनियों के लिए सहमति प्रारूप

मैं/सर्ज.....एतद्वारा.....(बंगलौर/चेन्नई/दिल्ली/कोलकाता/मुंबई) स्थित बड़ी करदाता यूनिट के अंतर्गत बड़ी करदाता यूनिट के रूप में प्रशासित होने के लिए सहमति प्रदान करती है। कंपनी के संबंध में निम्नलिखित सूचना प्रस्तुत की जाती है।

1. **पैन:**
2. **दायर की गई अंतिम आयकर विवरणी में दिया गया पंता:**
3. **उस कर निर्धारण अधिकारी का अधिकार क्षेत्र जिसके समक्ष आयकर विवरणी दायर की गई है:**

4. पंजीकरण के ब्यौरे (केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 2002 एवं सेवाकर नियम, 1994 के अंतर्गत)

यूनिट का नाम एवं पता	उत्पाद शुल्क पंजीकरण संख्या और वर्तमान अधिकार क्षेत्र का ब्यौरा	डीलर की पंजीकरण संख्या और वर्तमान अधिकार क्षेत्र का ब्यौरा	निर्यातानुमुखी यूनिट पंजीकरण और वर्तमान अधिकार क्षेत्र का ब्यौरा	सेवाकर पंजीकरण संख्या और वर्तमान अधिकार क्षेत्र का ब्यौरा	आधान सेवा वितरण पंजीकरण संख्या और वर्तमान अधिकार क्षेत्र का ब्यौरा	वर्तमान अधिकार क्षेत्र के ब्यौरे सहित अन्य* (कृपया विनिदिष्ट करें)

(* छूट प्राप्त यूनिटों सहित)

5. आर्बिट्रि टैन का ब्यौरा और निम्नलिखित प्रारूप में दायर टी डी एस विवरणी

क्रम सं.	कटौतीकर्ता का नाम एवं पता	टैन	आयकर अधिनियम, 1961 की धारा (ए)के अंतर्गत प्रभावित टी डी एस	उस आयकर आयुक्त का अधिकार क्षेत्र जिसके समक्ष टी डी एस विवरणी दायर की गई
1.				
2.				

6. वित्त वर्ष 2004-05 के दौरान कंपनी द्वारा संदत कुल करें का ब्यौरा या सहमति प्रारूप के वर्ष बाद वाला वित्त वर्ष

- वित्त वर्ष
- नकद के माध्यम से उत्पाद शुल्क (चालू खाता)
- नकद के माध्यम से सेवाकर (चालू खाता)
- अग्रिम कर (आयकर/निगम कर)

7. कंपनी के संपर्क करने वाले व्यक्ति (व्यक्तियों) (कंपनी द्वारा प्राधिकृत) के नाम, पदनाम, फोन और फैक्स सं. तथा ई-मेल पता

(हस्ताक्षर)

(आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 140 के अंतर्गत प्राधिकृत व्यक्ति का नाम एवं पदनाम)

[फा. सं. 201/24/2006-के.उ.शु. 6]

राहुल नांगरे, अवर सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th September, 2006

No. 20/2006-Central Excise (N.T.)

G.S.R. 609(E).—In exercise of the powers conferred by sub rule (ea) of rule 2 of the Central Excise Rules, 2002 and sub-rule(cccc) of rule 2 of the Service Tax Rules 1994, the Central Government hereby notifies the conditions to be satisfied and procedures to be followed by a person to be eligible to opt as large taxpayer,-

2. Conditions:- Any person, engaged in the manufacture or production of goods, except the goods falling under chapter 24 or Pan Masala falling under chapter 21 of the First schedule of the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), or a provider of taxable service, has paid during the financial year 2004-05 or during the financial year preceding the year of filing of application under para 3(i), -

2006 GI/06-4

- (i) duties of excise of more than rupees five hundred lakhs in cash or through account current; or
- (ii) service tax of more than rupees five hundred lakhs in cash or through account current; or
- (iii) advance tax of more than rupees ten hundred lakhs, under the Income Tax Act, 1961(43 of 1961),

and is presently assessed to income tax or corporate tax under the Income Tax Act, 1961, under the jurisdiction of Chief Commissioner of Income Tax – I, Bangalore (other than revenue district of Tumkur) and Chief Commissioner of Income Tax – II, Bangalore (other than district of Kolar).

3. Procedure.-

- (i) A large taxpayer who satisfies the conditions mentioned above may file an application form in the format annexed duly completed in all respects to the Chief Commissioner of Central Excise, Large Taxpayer Unit for the city where the large taxpayer is presently assessed to income tax or corporate tax indicating his willingness to be a large taxpayer.
- (ii) A person willing to operate as large taxpayer shall furnish details of each of the premises already registered under the Central Excise Act, 1944(1 of 1944) including the premises of first and second stage dealers and each of the premises registered under Chapter V of the Finance Act, 1994 including the premises of input service distributor.
- (iii) The Chief Commissioner of Central Excise, Large Taxpayer Unit may after due verification of the application form, grant the acceptance in writing.
- (iv) Existing registrations under the Central Excise Act, 1944 or Chapter V of the Finance Act, 1994 shall continue. However, in case a new factory or service provider, input credit distributor or first or second stage dealer which becomes liable to be registered, after opting as large taxpayer, the application for such new registration shall be made before the Chief Commissioner of Central Excise, Large Taxpayer Unit.

Annexure

CONSENT FORM FOR COMPANIES OPTING TO FUNCTION AS A LARGE TAXPAYER
M/s _____, hereby gives consent to be administered as a large taxpayer under the Large Taxpayer Unit situated at _____ (Bangalore/Chennai/Delhi/Kolkata/Mumbai). Following information regarding the company is furnished.

- 1. PAN :
- 2. Address as in last income-tax return filed :
- 3. Jurisdiction of Assessing Officer before whom income-tax return is filed :
- 4. Details of registration (under Central Excise Rules, 2002, and Service Tax Rules, 1994) :

Name and address of the Unit	Excise Registration No. and particulars of present jurisdiction	Dealer Registration No. and particulars of present jurisdiction	EOU Registration and particulars of present jurisdiction	Service tax Registration and particulars of present jurisdiction	Input Service Distribution Registration No. (ISDN) and particulars of present jurisdiction	Others* (please specify including particulars of present jurisdiction)

(*including exempted units)

5. Details of TAN allotted and TDS returns filed in the following format:

S.No.	Name and address of the Deductor	TAN	TDS effected under section(s) _____ of the IT Act, 1961	Jurisdiction of CIT before whom TDS return filed
1				
2				

6. Details of total taxes paid by the company during financial year 2004-05 or any subsequent financial year preceding the year of filing of consent form.

- Financial year
- Excise duty through cash (account current)
- Service tax through cash (account current)
- Advance tax (income tax/corporation tax)

7. Name, designation, phone and fax numbers and e-mail address of the contact person(s) of the company (to be authorized by the company).

(Signature)

(Name and Designation of the person authorized u/s 140 of the IT Act, 1961)

[F.No. 201/24/2006-CX. 6]

RAHUL NANGARE, Under Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 सितम्बर, 2006

सं. 21/2006-के.उ.शु. (गै.टै.)

सा.का.नि. 610(अ).—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली, 2002 के नियम 3 के उपनियम (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क बोर्ड एतद्वारा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं.14/2002-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (गै.टै.) सा.का.नि.182(अ) दिनांक 8 मार्च, 2002 में पुनः निम्नलिखित संशोधन करता है; अर्थात्:

उक्त अधिसूचना में सारणी I में क्र.सं.23 के बाद और कॉलम (2) एवं (3) में उससे संबंधित प्रविष्टियों के लिए निम्नलिखित जोड़ा जाएगा, अर्थात्: -

24	बड़ी करदाता यूनिट	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के सभी आयुक्त
----	-------------------	--------------------------------------

उक्त अधिसूचना में सारणी-I के क्र.सं. 23 के बाद और कॉलम (2) और (3) में उससे संबंधित प्रविष्टियों के लिए निम्नलिखित जोड़ा जाएगा, अर्थात्: -

24	बड़ी करदाता यूनिट	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क(अपील) के सभी आयुक्त
----	-------------------	--

उक्त अधिसूचना में सारणी II में क्र.सं.92 के बाद और कॉलम (2) और (3) में उससे संबंधित प्रविष्टियों के लिए निम्नलिखित जोड़ा जाएगा, अर्थात्: -

93	बड़ी करदाता यूनिट	सम्पूर्ण भारत प्रदेश में
----	-------------------	--------------------------

उक्त अधिसूचना में सारणी III में क्रम सं.74 के बाद और कॉलम (2) और (3) में उससे संबंधित प्रविष्टियों के लिए निम्नलिखित जोड़ा जाएगा, अर्थात्: -

75	बड़ी करदाता यूनिट	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के सभी आयुक्त
----	-------------------	--------------------------------------

[फा. सं. 208/06/2006 के.उ.शु. 6]

राहुल नांगरे, अवर सचिव

टिप्पण :- मूल अधिसूचना सं. 14/2002-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (गै.टै.) दिनांक 8 मार्च, 2002 सा.का.नि.182(अ) दिनांक 8 मार्च, 2002 के जरिए प्रकाशित हुई थी और इसमें अंतिम बार संशोधन अधिसूचना सं. 01/2006-के.उ.शु. (गै.टै.) दिनांक 3 जनवरी, 2006 द्वारा सा.का.नि. 4(अ), दिनांक 3 जनवरी, 2006 के जरिए किया गया था।

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th September, 2006

No. 21/2006-Central Excise (N.T.)

G.S.R. 610(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (2) of rule 3 of the Central Excise Rules, 2002, the Central Board of Excise and Customs hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 14/2002-Central Excise (N.T.), G.S.R.182 (E) dated the 8th March, 2002, namely:

In the said notification, in Table I, after Sl. No.23 and the entries relating thereto in column (2) and (3), the following shall be inserted, namely: -

"24	Large Taxpayer Unit	All Commissioners of Central Excise"
-----	---------------------	--------------------------------------

In the said notification, in Table IA, after Sl. No.23 and the entries relating thereto in column (2) and (3), the following shall be inserted, namely: -

"24	Large Taxpayer Unit	All Commissioners of Central Excise (Appeals)"
-----	---------------------	--

In the said notification, in Table II, after Sl. No.92 and the entries relating thereto in column (2) and (3), the following shall be inserted, namely:-

"93	Large Taxpayer Unit	Through out the territory of India"
-----	---------------------	-------------------------------------

In the said notification, in Table III, after Sl. No.74 and the entries relating thereto in column (2) and (3), the following shall be inserted, namely:

"75	Large Taxpayer Unit	All Commissioners of Central Excise"
-----	---------------------	--------------------------------------

[F. No. 208/06/2006-CX. 6]

RAHUL NANGARE, Under Secy.

Note :—The principal notification No. 14/2002-Central Excise (N.T.), dated the 8th March, 2002 was published vide number G.S.R. 182 (E), dated the 8th March, 2002 and was last amended by Notification No. 01/2006-CE (N.T.), dated 3rd January, 2006 vide number G.S.R., 4 (E), dated the 3rd January, 2006.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 सितम्बर, 2006

सं. 22/2006-के.उ.शु. (गै.टै.)

सा.का.नि. 611(अ).—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली, 2002 के नियम 3 के उपनियम (1) के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 2 के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमा शुल्क बोर्ड भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 38/2001 केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (गै. टै.) दिनांक 26 जून, 2001 में पुनः निम्नलिखित संशोधन करता है, अर्थात्: -

उक्त अधिसूचना में सारणी में क्र.सं.8 के बाद और कॉलम (2) और (3) में उससे संबंधित प्रविष्टियों के लिए निम्नलिखित जोड़ा जाएगा, अर्थात्: -

9	बड़ी करदाता यूनिटों के अधिकारी, अर्थात्: - 1. अपर आयुक्त 2. संयुक्त आयुक्त 3. सहायक आयुक्त अथवा उप आयुक्त 4. अधीक्षक 5. निरीक्षक	1. अपर आयुक्त 2. संयुक्त आयुक्त 3. सहायक आयुक्त अथवा उप आयुक्त 4. अधीक्षक 5. निरीक्षक
---	---	---

[फा. सं. 208/06/2006-के.उ.शु. 6]

राहुल नांगरे, अवर सचिव

टिप्पण:—मूल अधिसूचना भारत के राजपत्र में अधिसूचना सं. 38/2001-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (गै.टै.), दिनांक 26 जून, 2001 (सा.का.नि.467(अ) , दिनांक 26 जून, 2001) के जरिए प्रकाशित हुई थी और इनमें अंतिम बार संशोधन अधिसूचना सं. 7/2006-के.उ.शु.(गै.टै.) दिनांक 22 मार्च, 2006 (सा.का.नि. 173(अ) दिनांक 22 मार्च, 2006 के जरिए किया गया था।

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th September, 2006

No. 22/2006-Central Excise (N.T.)

G.S.R. 611(E).—In exercise of the powers conferred by clause (b) of section 2 of the Central Excise Act, 1944 read with sub-rule (1) of rule 3 of the Central Excise Rules, 2002, the Central Board of Excise and Customs makes the following further amendment in the notification of the Government of India, Ministry of Finance, (Department of Revenue), notification No.38/2001-Central Excise (N.T.) dated the 26th June, 2001, namely: -

In the said notification, in the Table, after SI.No.8 and the entries relating thereto in column (2) and (3), the following shall be inserted, namely: -

“9	Officers of Large Taxpayer Units namely: - 1. Additional Commissioner 2. Joint Commissioner	 1. Additional Commissioner 2. Joint Commissioner
----	--	---

3080 GI/06-5

3. Assistant Commissioner or Deputy Commissioner	3. Assistant Commissioner or Deputy Commissioner
4. Superintendent	4. Superintendent
5. Inspector	5. Inspector

[F. No. 208/06/2006-CX. 6]

RAHUL NANGARE, Under Secy.

Note:—The Principal Notification was published in the Gazette of India vide notification No. 38/2001-Central Excise (N.T.) dated the 26th June, 2001 vide number GSR 467 (E), dated the 26th June, 2001 and last amended vide notification number 7/2006-CE (N.T.), dated the 22nd March 2006 vide number GSR 173 (E) dated the 22nd March 2006.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 सितम्बर, 2006

सं. 28/2006-सेवा कर

सा.का.नि. 612(अ).—वित्त अधिनियम, 1944 (1994 का 32) की धारा 94 की उपधारा (1) और (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा सेवा कर नियमावली, 1994 में पुनः संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्: -

- (1) इन नियमों को सेवा कर (पाँचवां संशोधन) नियमावली, 2006 कहा जाये।
(2) ये नियम सरकारी राजपत्र में इनके प्रकाशन की तिथि से प्रभावी होंगे।
- सेवा कर नियमावली, 1994 (इसके पश्चात् उक्त नियमावली के रूप में उल्लिखित) में नियम (2) के बाद उपनियम (सी सी सी) निम्नलिखित उपनियम (सी सी सी सी) जोड़ा जाएगा, अर्थात्: -
'(सी सी सी सी)' बड़े करदाता का तात्पर्य केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली में दिए गए तात्पर्य से होगा।
- उक्त नियमावली में, नियम 9 के बाद, निम्नलिखित नियम जोड़ा जायेगा, अर्थात्: -
'10 बड़े करदाता के लिए प्रक्रिया एवं सुविधाएं इन नियमों में कुछ भी अंतर्विष्ट होने के बावजूद निम्नलिखित बड़े करदाता के लिए लागू होंगे -
(1) बड़ा करदाता इन नियमों में यथा विहित प्रत्येक पंजीकृत परिसर के लिए विवरणी दाखिल करेगा।
व्याख्या: बड़ा करदाता, नियम 4 उपनियम (2) के अंतर्गत केन्द्रीयकृत पंजीकरण प्राप्त कर लिया है, ऐसे सभी परिसरों के लिए समेकित विवरणी दाखिल करेगा।
(2) बड़े करदाता द्वारा मांगे जाने पर वित्तीय, भंडारण और सेनवैट क्रेडिट रिकार्ड इलक्ट्रॉनिक मिडिया में जैसे कोई संवीक्षा, परीक्षण और सत्यापन के लिए यथावश्यक कम्पैक्ट डिस्क अथवा टेप उपलब्ध किया जाना अपेक्षित होगा।
(3) कोई बड़ा करदाता तीस दिन अग्रिम सूचना देते हुए आगामी वित्त वर्ष के प्रथम दिन से बड़े करदाता न होने का विकल्प चुन सकता है।
(4) अधिनियम अथवा उसके अंतर्गत नियमों को लागू करने वाले केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिकारी द्वारा मुख्य आयुक्त, के.उ.शु. बड़ी करदाता यूनिट द्वारा स्वीकृति प्रदान करने की तिथि से पूर्व जारी परन्तु अनिर्णित किसी नोटिस को उक्त यूनिट के केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिकारियों द्वारा जारी नोटिस माना जाएगा।
(5) इन नियमों के प्रावधान जहाँ तक ये इस नियम के प्रावधानों के प्रतिकूल नहीं हैं, आवश्यक संशोधनों सहित बड़े करदाता के मामले में लागू होंगे।

[फा. सं. 201/24/2006-के.उ.शु. 6]

राहुल नांगरे, अवर सचिव

टिप्पण :—मूल नियम अधिसूचना सं.2/94-सेवा कर दिनांक 28 जून, 2006 (सा.का.नि.546(अ), दिनांक 28 जून, 2006) के जरिए प्रकाशित किए गए थे और इसमें अंतिम बार संशोधन अधिसूचना सं. 27/2006-सेवा कर, दिनांक 21 सितम्बर, 2006(सा.का.नि.582(अ), दिनांक 21 सितम्बर, 2006) के जरिए किया गया था ।

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th September, 2006

No. 28/2006-Service Tax

G.S.R. 612(E).—In exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (2) of section 94 of the Finance Act, 1994 (32 of 1994), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Service Tax Rules, 1994, namely:-

1. (1) These rules may be called the Service Tax (Fifth Amendment) Rules, 2006.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Service Tax Rules 1994 (hereinafter referred to as the said rules), in rule 2 after sub-rule (ccc), the following sub-rule (cccc) shall be inserted, namely:-

‘(cccc) “large taxpayer” shall have the meaning assigned to it in the Central Excise Rules, 2002.’

3. In the said rules, after rule 9, the following rule shall be inserted, namely:-

“10. Procedure and facilities for large taxpayer.- Notwithstanding anything contained in these rules, the following shall apply to a large taxpayer,-

- (1) A large taxpayer shall submit the returns, as prescribed under these rules, for each of the registered premises.

Explanation: A large taxpayer who has obtained a centralized registration under sub rule (2) of rule 4, shall submit a consolidated return for all such premises.

(2) A large taxpayer, on demand, may be required to make available, the financial, stores and CENVAT credit records in electronic media, such as, compact disc or tape for the purposes of carrying out any scrutiny and verification, as may be necessary.

(3) A large taxpayer may, with intimation of at least thirty days in advance, opt out to be a large taxpayer from the first day of the following financial year.

(4) Any notice issued but not adjudged by any of the Central Excise officer administering the Act or rules made thereunder immediately before the date of grant of acceptance by the Chief Commissioner of Central Excise, Large Taxpayer Unit, shall be deemed to have been issued by Central Excise officers of the said unit.

(5) Provisions of these rules, in so far as they are not inconsistent with the provisions of this rule shall *mutatis mutandis* apply in case of a large taxpayer."

[F. No. 201/24/2006-CX. 6]

RAHUL NANGARE, Under Secy.

Note :—The principal rules were published vide notification No. 2/94-Service Tax, dated the 28th June, 2006[G.S.R.546(E), dated the 28th June, 2006] and last amended vide notification No.27/2006- Service Tax, dated the 21st September, 2006,[G.S.R. 582(E), dated the 21st September, 2006].